नेशनल अवॉर्ड्स में 'आर्टिकल 370' की बड़ी जीत

कार्तिक आर्यन-ममूटी को साझा बेस्ट एक्टर अवॉर्ड

72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में इस बार कई बड़े नामों ने सुर्खियां बटोरीं. आर्टिकल 370 को बेस्ट फीचर फिल्म का सम्मान मिला और यामी गौतम ने इसी फिल्म के लिए अपना पहला नेशनल अवॉर्ड जीता. वहीं कार्तिक आर्यन और

अनंत नाग को मिला दादा साहब फाल्के सम्मान

ममूटी ने बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड साझा किया- कार्तिक की यह पहली जीत रही, जबकि ममूटी को चौथी बार यह सम्मान मिला. रणदीप हुड्डा पुष्पा 2 स्त्री 2 महाराजा और कल्कि 2898 एडी भी अलग-अलग कैटेगरी में सम्मानित हुए. दिग्गज अभिनेता अनंत नाग को 2024 का दादा साहब फाल्के अवॉर्ड दिया गया.

खास बात यह रही कि इस बार नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स का आयोजन पहली बार नई दिल्ली से बाहर हुआ.

72वां नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स इस बार काफी खास रहा. गुजरात के एकता नगर में हुए इस शो में आर्टिकल 370 ने बेस्ट फीचर फिल्म का अवॉर्ड अपने नाम किया जबकि यामी गौतम को इसी फिल्म के लिए बेस्ट एक्ट्रेस चुना गया. बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड ममूटी और कार्तिक आर्यन ने शेयर किया. खास बात यह भी रही कि नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स का इवेंट पहली बार नई दिल्ली से बाहर ऑर्गेनाइज हुआ. वहीं अलग-अलग कैटेगरीज में टोटल 92 लोगों को अवॉर्ड्स दिए गए.आर्टिकल 370 ने इस बार नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में बड़ी

जीत दर्ज की. फिल्म को बेस्ट फीचर फिल्म का अवॉर्ड मिला जबकि यामी गौतम को इसी फिल्म में उनकी परफॉर्मेंस के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का सम्मान दिया गया. चंदू चैंपियन के लिए कार्तिक आर्यन और ब्रह्मयुगम के लिए ममूटी को बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड शेयर किया गया.तमिल फिल्म अमरन के लिए राजकुमार पेरियासामी को बेस्ट डायरेक्शन का अवॉर्ड मिला. वहीं कल्कि 2898 एडी को बेस्ट पॉपुलर फिल्म प्रोवाइडिंग होलसम एंटरटेनमेंट का अवॉर्ड दिया गया.इवेंट में दिग्गज एक्टर अनंत नाग को 2024 का दादा साहब फाल्के अवॉर्ड दिया गया. कई लोग सोच सकते हैं कि जब फिल्में 2024 की हैं तो अवॉर्ड 2026 में क्यों मिल रहे हैं.

अजय देवगन की 'दृश्यम : द कन्क्लूजन' अब वैश्विक पर्दे पर होगी रिलीज

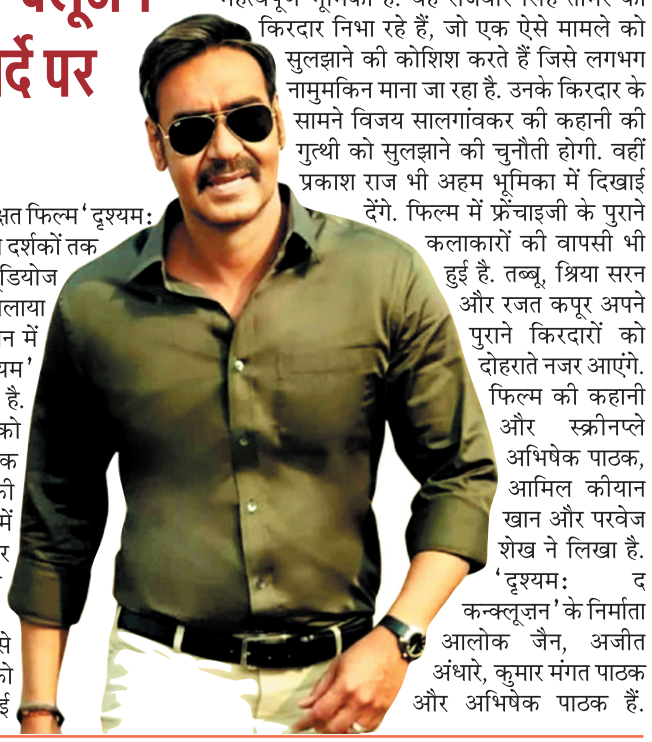

अजय देवगन स्टारर बहुप्रतीक्षित फिल्म 'दृश्यम: द कन्क्लूज़न' को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंचाने के लिए पैनोरमा स्टूडियोज और जी स्टूडियोज ने हाथ मिलाया है. अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी यह फिल्म चर्चित 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी का अंतिम अध्याय है. साझेदारी के तहत फिल्म को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में व्यापक थिएट्रिकल रिलीज देने की तैयारी की जा रही है. फिल्म में अजय देवगन एक बार फिर विजय सालगांवकर के किरदार में नजर आएंगे. विजय की कहानी ने इससे पहले भी दर्शकों को परिवार को बचाने के लिए अपनाई गई रणनीति और रहस्यों से बांधे रखा था. अब अंतिम अध्याय में कहानी किस मोड़ पर पहुंचती है, इसे लेकर दर्शकों में उत्सुकता है.

इस बार फिल्म में जयदीप अहलावत की भी महत्वपूर्ण भूमिका है. वह राजवीर सिंह तोमर का किरदार निभा रहे हैं, जो एक ऐसे मामले को सुलझाने की कोशिश करते हैं जिसे लगभग नामुमकिन माना जा रहा है. उनके किरदार के सामने विजय सालगांवकर की कहानी की गुत्थी को सुलझाने की चुनौती होगी. वहीं प्रकाश राज भी अहम भूमिका में दिखाई देंगे. फिल्म में फ्रेंचाइजी के पुराने कलाकारों की वापसी भी हुई है. तब्बू, श्रिया सरन और रजत कपूर अपने पुराने किरदारों को दोहराते नजर आएंगे. फिल्म की कहानी और स्क्रीनप्ले अभिषेक पाठक, आमिल कीयान खान और परवेज शेख ने लिखा है. 'दृश्यम: द कन्क्लूज़न' के निर्माता आलोक जैन, अजीत अंधारे, कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक हैं.

'प्रेम कीटाणु' के ट्रेलर में वीर पहाड़िया का कॉमिक अंदाज

अभिनेता वीर पहाड़िया की आगामी फिल्म 'प्रेम कीटाणु' का ट्रेलर रिलीज हो गया है और इसमें अभिनेता का कॉमिक अंदाज के साथ रोमांटिक चार्म भी देखने को मिल रहा है. कमिंग-ऑफ-एज रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा के तौर पर पेश की जा रही इस फिल्म में वीर एक मासूम आशिक और सच्चे दोस्त की भूमिका निभा रहे हैं. फिल्म का निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है.

ट्रेलर की शुरुआत वीर के कॉलेज बैकबेंचर वाले मस्तमौला किरदार से होती है. उनकी दोस्ती, शरारत और बेफिक्र अंदाज कहानी में हास्य का रंग भरते हैं. निखिल विजय के साथ उनकी दोस्ती और दोनों के बीच होने वाली मजेदार नोकझोंक ट्रेलर के प्रमुख आकर्षण में शामिल है. वहीं आफिया सैयद के साथ वीर की रोमांटिक केमिस्ट्री कहानी को एक भावनात्मक मोड़ देती है. ट्रेलर में प्यार के साथ रिश्तों की उलझन भी दिखाई गई है. कहानी में अपारशक्ति खुराना की एंट्री के बाद मामला और दिलचस्प हो जाता है. उनकी मौजूदगी से फिल्म में लव ट्रायंगल की झलक मिलती है. इससे वीर के किरदार की प्रेम कहानी किस दिशा में जाती है, इसे लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ती है.

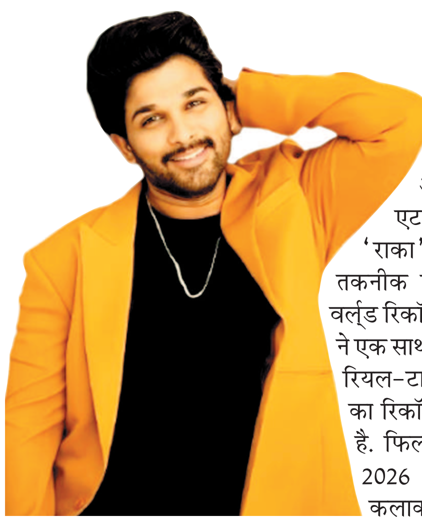

'राका' के नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन अभिनीत और एटली निर्देशित फिल्म 'राका' ने सिनेमाई तकनीक के क्षेत्र में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है. फिल्म ने एक साथ सर्वाधिक लोगों के रियल-टाइम मोशन कैप्चर का रिकॉर्ड अपने नाम किया है. फिल्म के लिए फरवरी 2026 में एक साथ 37 कलाकारों का रियल-टाइम मोशन कैप्चर किया गया था, जिसे 15 सितंबर 2026 को आधिकारिक रूप से प्रमाणित किया गया. गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के वरिष्ठ निर्णायक स्वप्निल डांगरिकर ने विशेष समारोह में अल्लू अर्जुन और निर्देशक एटली को प्रमाणपत्र प्रदान किया. इस मोशन-कैप्चर अभ्यास में चार वर्ष के बच्चे से लेकर 70 वर्ष की उम्र तक के कुल 37 कलाकारों को एक साथ कैप्चर किया गया. इसके लिए एक ही कैप्चर वॉल्यूम में सभी कलाकारों के प्रदर्शन को सटीकता और गुणवत्ता के साथ रिकॉर्ड करने की चुनौती थी. रिकॉर्ड बनाने के दौरान 92 ऑप्टिकल मोशन-कैप्चर कैमरों का इस्तेमाल किया गया. इसके अलावा कैप्चर, कैलिब्रेशन, नेटवर्किंग, सिंक्रोनाइजेशन, रियल-टाइम अनरियल विजुअलाइजेशन और फेसियल कैप्चर समेत कई तकनीकी प्रणालियों का इस्तेमाल किया गया.

'द पैराडाइज' का रोमांटिक रंग

'अंजाना अंजानी' का ऑडियो रिलीज

दक्षिण भारतीय अभिनेता नानी और कायदू लोहार की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द पैराडाइज' रिलीज से महज दो दिन पहले अपने नए गाने के साथ दर्शकों के बीच पहुंची है। फिल्म के तीसरे गाने 'अंजाना अंजानी' का ऑडियो रिलीज कर दिया गया है. रोमांटिक अंदाज वाले इस गीत में नानी और कायदू लोहार की जोड़ी के बीच नजर आने वाले प्रेम और भावनात्मक जुड़ाव की झलक मिलती है. गीत के संगीत की जिम्मेदारी लोकप्रिय संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर ने संभाली है,

जबकि इसके बोल रितेश जी राव ने लिखे हैं. रितेश जी राव और सुब्लाशिनी ने गीत को आवाज दी है. श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बनी 'द पैराडाइज' को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता बनी हुई है. फिल्म के निर्माताओं ने इससे पहले 'आया शेर' और 'येशनागुला' गाने रिलीज किए थे. निर्माताओं के अनुसार, 'आया शेर' को यूट्यूब पर 200 मिलियन से अधिक और 'येशनागुला' को 119 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है.

टेलीविजन हलचल

अनुपम ने तुलसी को सच्चाई बताने से किया इनकार

क्योंकि सास भी कभी बहू थी' की कहानी में अनुपम कपाडिया की वापसी ने तुलसी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं. अनुपम के दोबारा शांति निकेतन पहुंचने के बाद तुलसी उसके सामने कई ऐसे सवाल रखती है, जिनके जवाब कहानी के पुराने रहस्यों से जुड़े हो सकते हैं. हालांकि, अनुपम तुलसी के किसी भी सवाल का जवाब देने से साफ इनकार कर देता है और वहां से निकल जाता है. अनुपम इस बार बिना चेहरा छिपाए अपने बेटे रितिक से मिलने शांति निकेतन पहुंचता है. तुलसी उसे रोककर पूछती है कि वह इतने समय तक क्यों छिपता रहा. अगर वह जीवित था तो उसने परिवार को इसकी जानकारी क्यों नहीं दी? तुलसी अपनी बहन केसर को लेकर भी सवाल करती है. उसका मानना है कि अगर अनुपम के जीवित होने की बात सच है, तो केसर से जुड़ा रहस्य भी इसी कहानी का हिस्सा हो सकता है. तुलसी इसके अलावा मिहिर की अंगूठी का भी जिक्र करती है. उसे शक है कि अनुपम को मिहिर के बारे में कोई महत्वपूर्ण जानकारी है. लगातार सवालों से घिरने के बावजूद अनुपम सच्चाई बताने के बजाय वहां से भाग निकलता है. अनुपम के जाने से पहले तुलसी उसके हाथ से उसका बटुआ हासिल कर लेती है. अब यही बटुआ उसके लिए सबसे बड़ा सुराग बन गया है. तुलसी को उम्मीद है कि इसमें मौजूद किसी जानकारी से वह अनुपम के छिपे हुए राज तक पहुंच सकती है. इसके बाद तुलसी अनुपम की बहन मंदिरा से मिलने का फैसला करती है. उसे लगता है कि मंदिरा अनुपम की जिंदगी और उसके रहस्यों के बारे में ऐसी जानकारी दे सकती है, जो अब तक सामने नहीं आई है.

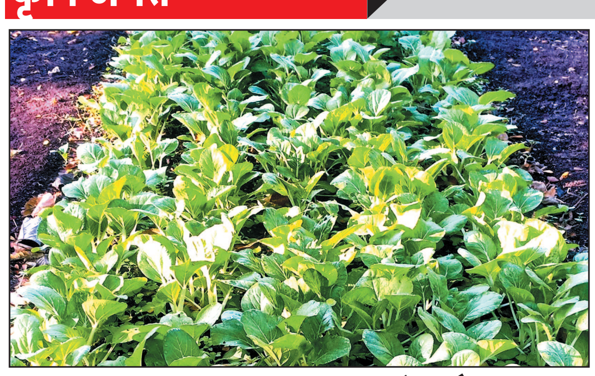

अब कम समय में तैयार होगी मेथी की फसल

रसोई फसलों में मेथी महाराष्ट्र की लोकप्रिय हरी सब्जी है. राज्य के अधिकांश जिलों में इसकी खेती की जाती है. मेथी में प्रोटीन के साथ मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटेशियम, आयरन जैसे खनिज तथा विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं. महाराष्ट्र की जलवायु में मेथी की खेती खरीफ और रबी, दोनों मौसम में की जा सकती है. यह कम अवधि में तैयार होने वाली फसल है.

उचित प्रबंधन अपनाकर किसान साल भर मेथी की खेती कर सकते हैं. मेथी ठंडे मौसम में अच्छी तरह बढ़ने वाली फसल है. विशेष रूप से कसूरी मेथी की खेती सर्दियों में की जाती है. मेथी की खेती के लिए मध्यम एवं अच्छी जल निकासी वाली जमीन का चयन करना चाहिए. खेत में पानी जमा नहीं होना चाहिए.

फसल लगाने का सही समय

रबी मौसम में सितंबर-अक्टूबर और खरीफ मौसम में जून-जुलाई के दौरान मेथी की बुआई की जाती है. ठंडे मौसम में मेथी की फसल का उत्पादन अच्छा मिलता है. मेथी की बुआई समतल क्यारियों में 20-25 सेंटीमीटर की दूरी पर कतारों में करनी चाहिए. कतार में बुआई करने से निराई-गुड़ाई, खरपतवार नियंत्रण और कटाई में आसानी होती है. बुआई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करें.

खाद और सिंचाई की व्यवस्था

फसल की अच्छी वृद्धि के लिए प्रति हेक्टेयर 20 किलो नाइट्रोजन दें. इसके बाद 15 दिन में निराई-गुड़ाई करके फिर प्रति हेक्टेयर 20 किलो नाइट्रोजन देने से फसल की बढ़वार अच्छी होती है. बुआई के करीब 3 सप्ताह बाद 10 लीटर पानी में 150 ग्राम यूरिया मिलाकर छिड़काव करने से मेथी की फसल की अच्छी वृद्धि में मदद मिल सकती है. पत्ती सुरंग बनाने वाली इल्ली : इस कीट की इल्ली मेथी की पत्तियों को नुकसान पहुंचाती है. इसके प्रकोप से पत्तियों पर सफेद रंग की रेखाएं दिखाई देती हैं और उपज की गुणवत्ता प्रभावित होती है.

प्याज में झुलसा रोग का नियंत्रण

झुलसा एक फफूंदजनित रोग है, जो प्याज की पत्तियों और तनों पर छोटे भूरे धब्बे पैदा करता है. इस रोग के कारण पत्तियां झुलसने लगती हैं और प्याज की फसल कमजोर हो जाती है. इसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ता है और पैदावार में कमी आ सकती है. झुलसा रोग को नियंत्रित करने के लिए फसल की उचित देखभाल, प्रमाणित बीजों का उपयोग और आवश्यकता के अनुसार फफूंदनाशी का छिड़काव जरूरी है. फसल में ऐसे लक्षण दिखाई देने पर किसान को समय रहते आवश्यक उपाय करने चाहिए.

रोग की पहचान- लगातार 3 दिनों तक बारिश, 85% से अधिक सापेक्ष आर्द्रता और बादल छाए रहने की स्थिति में झुलसा रोग के प्रकोप की आशंका बढ़ जाती है. रोग से बचाव के लिए खेत में अतिरिक्त पानी की निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें. खेत में पानी जमा न होने दें. रोग की रोकथाम के लिए कार्बेन्डाजिम (50 डब्ल्यूपी) 1 ग्राम या ट्राइसाइक्लाजोल (75 डब्ल्यूपी) 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से पत्तियों पर छिड़काव करें. आवश्यकता होने पर अगला छिड़काव 15 दिन के अंतराल पर मैन्कोजेब (75 डब्ल्यूपी) 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से

कपास में थ्रिप्स का एकीकृत प्रबंधन

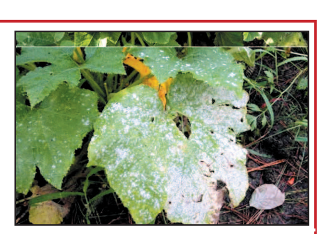

पत्तियों की निचली सतह को खुरचकर रस चूसते हैं. इसके परिणामस्वरूप पत्तियां पहले सिल्वर पड़ने लगती है और बाद में सूख जाती है. साथ ही, पत्तियां और फूलों की कलियां झड़ने लगती है, जिससे पौधों की वृद्धि रुक जाती है. इसलिए किसानों को कपास की फसल का नियमित निरीक्षण कर थ्रिप्स के प्रकोप की तीव्रता का आकलन करना चाहिए और प्रभावी एकीकृत कीट प्रबंधन अपनाना चाहिए. यह अपील क्रॉपसर्वेक्षण परियोजना के अंतर्गत की गई है.

फसल में नियमित सिंचाई-गुड़ाई कर खेत को खरपतवार मुक्त रखें. साथ ही, नत्रजनयुक्त उर्वरकों का संतुलित उपयोग करें. प्रति हेक्टेयर 10 से 12 नीले चिपचिपे ट्रेप लगाएं, व्हाइटफ्लाई और माइक्रोसेट जैसे मित्र कीटों का संरक्षण एवं संवर्धन करें. बचाव के उपाय के रूप में 5% नीम की निम्बोली का अर्क या एजाडिरेक्टिन 300 पीपीएम की 50 मिली मात्रा प्रति 10 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें.

धान की फसल पर मंडरा रहा खतरा

इस समय बादल छाए रहने और बारिश के कारण धान की फसल में कीट एवं रोगों के प्रकोप के लिए अनुकूल वातावरण बन गया है. इससे किसानों की चिंता बढ़ी है. ऐसे में धान की फसल की नियमित निगरानी करने के साथ कीट-रोग प्रबंधन के लिए समय रहते आवश्यक उपाय करना जरूरी है.

पानी की उचित निकासी करें

धान के खेत में जमा अतिरिक्त पानी की निकासी करें. फसल में फुटवे निकलने की अवस्था में पानी का स्तर करीब 5 सेंटीमीटर तक नियंत्रित रखें. खेत की मेड़बंदी कर पानी की उचित निकासी सुनिश्चित करें. खेत और मेड़ों पर उगे खरपतवार को भी निकाल दें.

कीटों की नियमित निगरानी

धान की फसल में नीले भृंगे, सुरली की इल्ली और पत्ती लपेटक इल्ली का प्रकोप होने की आशंका रहती है. इसके लिए खेत में पानी का प्रवाह बनाए रखें और हर 2-3 दिन में पानी बदलें.

इन कीटों के नियंत्रण के लिए लैम्ब्डा साइहेलोथ्रिन (5%) 0.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी या कार्टेप हाइड्रोक्लोराइड (50%) 1.2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें. छिड़काव बारिश के बाद कम से कम 6 घंटे का मौसम साफ रहने पर करें. से छिड़काव करें. छिड़काव के दौरान 3-4 घंटे तक बारिश न होने की स्थिति सुनिश्चित करें.

बैंकिंग नौकरी का एक और मौका

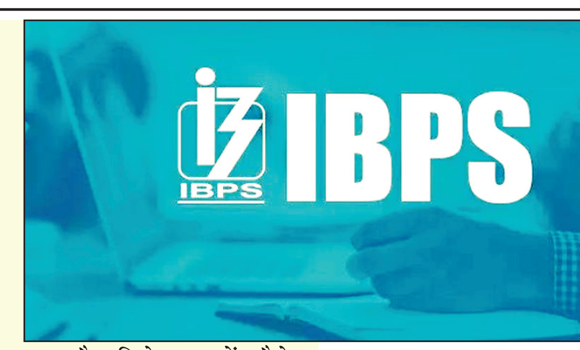

आईबीपीएस आरआरबी सीआरपी भर्ती 2026 में आवेदन करने से चूक गए उम्मीदवारों के लिए राहत की खबर है. इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सिलेक्शन ने आवेदन की अंतिम तारीख बढ़ा दी है. पहले आवेदन की अंतिम तारीख 21 सितंबर 2026 निर्धारित थी, जिसे अब बढ़ाकर 27 सितंबर 2026 कर दिया गया है.

इस भर्ती अभियान के तहत क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में कुल 13,706 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी. भर्ती में कार्यालय सहायक, अधिकारी स्केल-ढ्ढ, अधिकारी स्केल-I और अधिकारी स्केल-III के पद शामिल हैं. उम्मीदवार आईबीपीएस की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. कार्यालय सहायक और अधिकारी स्केल-ढ्ढ पदों के लिए किसी भी विषय से स्नातक उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं. स्थानीय भाषा और कंप्यूटर की जानकारी भी जरूरी है. वहीं अधिकारी स्केल-II और III के पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता के साथ संबंधित क्षेत्र में निर्धारित कार्य अनुभव भी मांगा गया है. विशेषज्ञ पदों जैसे आईटी, विधि, कृषि, विपणन और कोषागार प्रबंधन के लिए संबंधित विषय की योग्यता निर्धारित है. आयु की गणना 1 सितंबर 2026 के आधार पर होगी. कार्यालय सहायक के लिए उम्र 18 से 28 वर्ष, अधिकारी स्केल-ढ्ढ के लिए 18 से 30 वर्ष, अधिकारी स्केल-ढ्ढढ्ढ के लिए 21 से 32 वर्ष और अधिकारी स्केल-III के लिए 21 से 40 वर्ष निर्धारित है.

आवेदन शुल्क- एससी, एसटी और दिव्यांग वर्ग के उम्मीदवारों के लिए शुल्क 175 रुपये है. कार्यालय सहायक पद के लिए ईएसएम/डीईएसएम वर्ग को भी 175 रुपये शुल्क देना होगा. अन्य उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क 850 रुपये निर्धारित किया गया है.

ऐसे होगा चयन- कार्यालय सहायक पद के लिए प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा होगी. अधिकारी स्केल-ढ्ढ के लिए प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार होगा.

12वीं पास के लिए रेलवे में भर्ती

15 अक्तूबर से शुरू होगा आवेदन

रेलवे भर्ती बोर्ड ने आरआरबी एनटीपीसी अंडर ग्रेजुएट भर्ती 2026 के लिए सांकेतिक अधिसूचना जारी कर दी है. सीईएन संख्या 07/2026 के तहत भारतीय रेलवे के विभिन्न क्षेत्रीय मंडलों में कुल 1,688 पदों पर भर्ती की जाएगी. इनमें ट्रेन क्लर्क, कमर्शियल कम टिकट क्लर्क, अकाउंट्स क्लर्क कम टाइपिस्ट और जूनियर क्लर्क कम टाइपिस्ट के पद शामिल हैं. भर्ती में पे लेवल-2 और लेवल-3 के पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी. भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 15 अक्टूबर 2026 से शुरू होगी. इच्छुक और योग्य उम्मीदवार आरआरबी के आवेदन पोर्टल के माध्यम से 13 नवंबर 2026 रात 11:59 बजे तक फॉर्म भर सकेंगे. उम्मीदवारों के लिए आयु की गणना 1 जनवरी 2027 के आधार पर की जाएगी. इस भर्ती के लिए उम्मीदवार का किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं कक्षा पास होना जरूरी है. उम्मीदवार की उम्र 18 से 30 वर्ष के बीच होनी चाहिए. आरक्षित वर्गों को सरकारी नियमों के अनुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी.

चयन प्रक्रिया- उम्मीदवारों का चयन कई चरणों में किया जाएगा. इसमें कंप्यूटर आधारित परीक्षा-1 (सीबीटी-1), कंप्यूटर आधारित परीक्षा-2 (सीबीटी-2), टाइपिंग स्किल टेस्ट जहां लागू हो, दस्तावेज सत्यापन और मेडिकल परीक्षा शामिल हैं. टाइपिंग टेस्ट केवल संबंधित पदों के लिए जरूरी होगा.

आधार प्रमाणीकरण जरूरी- आरआरबी ने आवेदन प्रक्रिया में आधार प्रमाणीकरण को भी जरूरी किया है. उम्मीदवार के आधार में दर्ज जरूरी विवरण का मिलान कक्षा 10वीं के प्रमाणपत्र में दर्ज जानकारी से होना चाहिए. नाम, जन्मतिथि समेत अन्य विवरणों के साथ फोटो और बायोमेट्रिक जानकारी भी सही और मेल खाती हुई होनी चाहिए.

आवेदन शुल्क- अलग-अलग श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क अलग निर्धारित किया जाएगा. शुल्क, रिफंड और अन्य विस्तृत नियमों की जानकारी विस्तृत अधिसूचना में दी जाएगी.

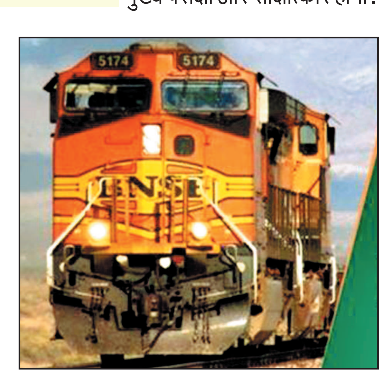

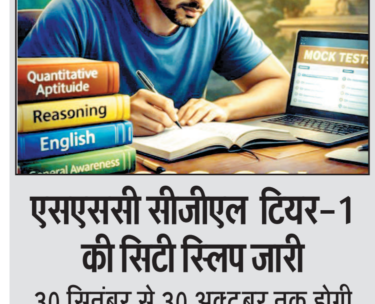

एसएससी सीजीएल टियर-1 की सिटी स्लिप जारी

30 सितंबर से 30 अक्टूबर तक होगी परीक्षा

कर्मचारी चयन आयोग ने संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा यानी एसएससी सीजीएल टियर-1 2026 के उम्मीदवारों के लिए परीक्षा शहर की जानकारी जारी कर दी है. जिन अभ्यर्थियों ने इस भर्ती परीक्षा के लिए आवेदन किया है, वे एसएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर लॉगिन करके अपनी सिटी स्लिप देख सकते हैं. इसमें उम्मीदवार को उस शहर की जानकारी मिलेगी, जहां उसकी परीक्षा आयोजित की जाएगी.

आयोग की ओर से 12 सितंबर 2026 को जारी नोटिस के अनुसार, सीजीएल टियर-1 परीक्षा 30 सितंबर से 30 अक्टूबर 2026 तक आयोजित की जाएगी. उम्मीदवारों के लिए एडमिट कार्ड परीक्षा की निर्धारित तारीख से करीब 2-3 दिन पहले उपलब्ध कराए जाएंगे. इसलिए उम्मीदवारों को सिटी स्लिप मिलने के बाद परीक्षा की तारीख और शहर की जानकारी ध्यान से जांच लेनी चाहिए. यहां यह ध्यान रखना जरूरी है कि सिटी स्लिप और एडमिट कार्ड अलग-अलग दस्तावेज हैं. परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को निर्धारित प्रवेश पत्र और अन्य जरूरी